नीतीश मिश्रा
पूर्व मंत्री
बिहार सरकार

सदस्य
बिहार विधान सभा

Ref: 388/2021
Dt-21-9-2021

आदरणीया उप मुख्यमंत्री महोदया,

विषय—**मेरे विधान सभा क्षेत्र झंझारपुर अंतर्गत प्रखंड क्रमशः झंझारपुर, लखनौर एवं मधेपुर(6 पंचायत) में वर्ष 2021 में बाढ़ एवं अतिवृष्टि से हुई फसल क्षति, प्रभावित जनजीवन को सरकार द्वारा प्रदत राहत दिलाने के संबंध में।**

मेरे विधान सभा क्षेत्र झंझारपुर अंतर्गत प्रखंड क्रमशः झंझारपुर, लखनौर एवं मधेपुर(6 पंचायत) में इस वर्ष आयी बाढ़ एवं अतिवृष्टि के कारण फसल की अत्यधिक क्षति हुई है, लेकिन उपर्युक्त तीनों प्रखंडों में प्रखंड कृषि पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, ग्राम पंचायत के किसान सलाहकार एवं कृषि समन्वयक के हस्ताक्षरित प्रगति प्रतिवेदन जिसमें वर्ष 2021 में बाढ़ से हुई फसल क्षति का आकलन जारी किया गया है, वह संतोषजनक नहीं है। फसल क्षति से संबंधित अनेकों पंचायत के किसानों से दूरभाष पर बात हुई है। किसानों के वार्तालाप से स्पष्ट है कि सरकारी रिपोर्ट एवं वास्तविकता में अंतर है। अधिकतर पंचायतों के विभिन्न गांव में 33 प्रतिशत से अधिक बाढ़ एवं अतिवृष्टि से फसल की क्षति हुई लेकिन प्रतिवेदन में यह कहीं दर्ज नहीं है।

उदाहरणस्वरूप मधेपुर प्रखंड के भीठ भगवानपुर पंचायत के रजौर ग्राम में वार्ड नं॰ 1 एवं 2 पूर्ण रूप से एवं वार्ड नं॰ 3 आंशिक रूप से क्षति हुई है। गांव की कुल आबादी लगभग 4000 से अधिक है। किसानों के द्वारा 2 बार धान का फसल लगाया गया, दोनों बार धान बाढ़ के कारण बर्बाद हुआ है। साथ ही, भूमि में कहीं गड्ढा तो कहीं बालू का ढ़ेर जमा हो गया है। दर्जनों मवेशी के घर गिर गए, कुछ पशुओं की मृत्यु भी हो गई है। रजौर एवं बाबा पोखर जानेवाला सड़क जो इसी वर्ष बनाया गया था पूर्णतः क्षतिग्रस्त हो गया है। मुख्य सड़क से रजौर जानेवाली पी॰सी॰सी॰ सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है।

1. **झंझारपुर प्रखंड** अंतर्गत अवस्थित पंचायत क्रमशः परसा, अररिया संग्राम, नवानी, चनौरागंज, सिमरा, नरूआर, लोहना दक्षिण, लोहना उत्तर, महिनाथपुर, मेंहथ में नवटोलिया ग्राम एवं अन्य, रैयाम पश्चिम, काको एवं संतनगर प्रभावित है। ज्ञात हो कि उक्त पंचायत में 80 प्रतिशत किसानों को अतिवृष्टि के कारण खरीफ फसल का क्षति हुआ है।

2. **लखनौर प्रखंड** अंतर्गत अवस्थित पंचायत क्रमशः बेरमा, तमुरिया, मैवी, बेलौचा, दीप पश्चिम, लखनौर पूर्वी, लखनौर पश्चिमी, गंगापुर एवं बलिया प्रभावित है। उक्त पंचायत के गांव में बाढ़/अतिवृष्टि से धान की फसल का नुकसान अधिक मात्रा में हुआ है, कहीं कहीं दोबारा धान की रोपनी की गई है वह भी बाढ़ में पूरी तरह बर्बाद हो चुका है। ग्रामीणों द्वारा दूरभाष पर फसल बर्बादी का जिक्र भी किया करते हैं।

112, कौटिल्य नगर, पटना 800014
Tel. : 0612 222 6263 Fax : 0612 222 5218 E-mail : nitishmishraoffice@gmail.com
/NitishMishraOfficial @mishranitish www.jhanjharpur.co.in

3. **मधेपुर प्रखंड** अंतर्गत अवस्थित पंचायत क्रमशः पचही, प्रसाद, बाँकी, महासिंह हसौली, भीठ भगवानपुर एवं परवलपुर प्रभावित है। ज्ञात हो कि भीठ भगवानपुर पंचायत के रजौर ग्राम एवं नवटोलिया टोला तथा परवलपुर पंचायत के वैद्यनाथपुर, दलदल एवं रहिका टोल एवं महासिंह हसौली पंचायत के बहेरा, बीरपुर, ठाकुर पोखर, खोईर मदनपुर में बाढ़ से फसल की बर्बादी अधिक है। साथ ही, दर्जिया ग्राम पूर्णतः कमला नदी दोनों तटबंध के बीच में बसा हुआ है। विगत माह कमला नदी में आयी भीषण बाढ़ के कारण उक्त ग्राम में कई घर नदी कटाव के कारण कमला नदी में विलीन हो गई है, जिसके कारण लगभग 15–20 परिवार गृह विहीन हो गये हैं। साथ ही, नदी में डूबने कारण 2 व्यक्तियों की मृत्यु एवं जान–माल की क्षति हुई है।

झंझारपुर प्रखंड के मेंहथ पंचायत के अंतर्गत नवटोलिया ग्राम एवं मधेपुर प्रखंड के भीठ भगवानपुर पंचायत के रजौर एवं नवटोलिया, परवलपुर पंचायत के वैद्यनाथपुर एवं नवटोलिया तथा महासिंह हसौली पंचायत के दर्जिया ग्राम जो कमला बलान नदी के दोनो तटबंध के मध्य अवस्थित है, नदी के जल स्तर में वृद्धि होने के कारण इन गांवों के निवासियों का जन जीवन पूणरूपेण अस्त–व्यस्त हो जाता है और इन्हें सरकार से राहत की उम्मीद बढ़ जाती है।

अतः अनुरोध है कि झंझारपुर, लखनौर एवं मधेपुर(6पंचायत) प्रखंडों में 2021 में बाढ़ एवं अतिवृष्टि से हुई फसल क्षति, प्रभावित जनजीवन को सरकार द्वारा प्रदत राहत दिलाने हेतु आवश्यक कार्रवाई करना चाहेंगी।

सादर,

भवदीय

Nitish Mishra
21·9·21

(नीतीश मिश्रा)

ईमेल–mla-jjpur-bih@nic.in

सेवा में,
श्रीमती रेणु देवी जी,
माननीया उप मुख्यमंत्री,
सह मंत्री
आपदा प्रबंधन विभाग,
बिहार सरकार, पटना।